मटका फिल्टर की छलांग

मेघ पाईन अभियान कोशी सेवा सदन महिषी का कार्यक्षेत्र महिषी उत्तरी, महिषी दक्षिणी, महिसरहो, पस्तवार तथा तेलहर पंचायत है। इन पांचों पंचायत के जल जांच परिणाम से स्पष्ट है कि इस क्षेत्र के पेयजल में आईरन, एवं जीवणु की भयंकर समस्या है। जल श्रोतों के निकट का अवलोकन करने से भी पता चलता है कि यहाँ के पेयजल में आइरन एवं जीवाणु है।

यहां के अधिकांश लोगों का पेयजल का श्रोत चापाकल है। 80 प्रतिशत चापाकल में आइरन मानक मात्रा से अधिक एवं 50 प्रतिशत चापाकल में जीवाणु की मात्रा है। चूंकि यहां जलजमाव अत्यधिक रहता है तथा 25 फीट की गहराई में पानी प्राप्त हो जाता है। इसलिए अन्य जगहों की अपेक्षा चापाकल सस्ता पेयजल का साधन है। इतना ही नही ग्राम पंचायत और विधायक मद से भी मुफ्त में चापाकल गड़वाया जाता है। यहां अत्यधिक लोगों के पास अपनी चापाकल है।

लगातार 1 वर्ष तक ज्वलंत समस्या की परख के बाद मेघ पाईन अभियान ने अनुभव किया कि पानी आम आवाम, माल मवेशी सबके लिए आवश्यक है जो यहां बिल्कुल ही दूषित है। उसके से वे सहरसा, सुपौल, खगड़िया, मधुबनी तथा बेतिया से अध्ययन करने के पश्चात पाया। यह सच भी हैं। उसके बाद 2007 से शुद्ध पेयजल कर कार्यक्रम आरंभ हुआ।

मेघ पाईन अभियान के कार्यकर्त्ता के द्वारा पंचायत के पेयजल, आर्थिक, सामाजिक, स्थितियों का सर्वे किया गया। सर्वे के बाद उसका समेकन ग्रामीणों के साथ की गई। कुंआ के प्रति लोगों को संवेदनशील बनाया गया। वर्षा जल पीने का सलाह इसके लिये दी गई। कार्यकर्त्ताओं को जलजांच का प्रशिक्षण खगड़िया में दिया गया।

पेयजल श्रोत चापाकल के आइरन की जांच अमरूद के पत्ते से करके दिखाया। तथा पानी का रासयानिक जांच भी जलतारा कीट से किया गया। 2007 में पेयजल से आइरन की मूक्ति के लिए मटका फिल्टर सुपौल से मंगवाया गया। स्थानीय कुम्भकार ने फिल्टर बनाना नहीं जानते थे। सुपौल से मंगाए गए मटका फिल्टर को कार्य क्षेत्र के चौक, चौराहे, स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्र में कार्यकर्त्ता के द्वारा मुफ्त में लगाया गया। ताकि एक फिल्टर से अधिक से अधिक लोग पानी पी सकें एक साथ अधिक लोगों को इसके गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त हो सकें। लगाने के बाद चापाकल की पानी और मटका फिल्टर से प्राप्त पानी के आइरन की जांच अमरूद के पत्ते से करके लोगों को दिखाया जो लोगों के दिमाग पर जादू का काम किया।

इसके बाद स्थानीय कुम्भकार से सम्पर्क कर मटका फिल्टर बनाने के लिए कहा गया साथ ही नमूना भी दिखाया गया कुम्हार बनाने में सफल नहीं हुए। एक कुम्भकार शरण पंडित जो बलुआहा (महिसरो पं0) के रहनेवाले है वे एक नमूना बनाए। कार्यकर्ता उनको नमूना लेकर कोशी सेवा सदन महिषी पहुंचने के लिए कहा वे सदन नमूना लेकर पहुचे सदनवासियों ने देखा नमूना तो सुपौल जैसा नहीं था। उन्हें और अच्छा बनाने की सलाह दी गई। कहा कि माप अत्यधिक मात्रा में मटका फिल्टर बनावें। उसके बाद उसका दर निर्धारित किया गया। 120 रू0 प्रति सेट कीमत निर्धारित हुआ तथा नलका सदन की ओर से दी जाएगी साथ ही अन्दर में सिमेंट का लेप देने हेतु सिमेंट सदन की ओर से दी जाएगी। ऐसा निर्णय हुआ। कार्यकर्ताओं को कार्यक्षेत्र में मटका फिल्टर बनने के बारे में प्रचार प्रसार करने को कहा।

शरण पंडित मटका फिल्टर बनाना आरंभ किया। कार्यकर्त्ता क्षेत्र में मटका फिल्टर के बारे में बताते है कि स्थानीय कुम्भकार मटका फिल्टर बनाता है जिसकी प्राप्ती के लिए 20 रू0 पंजीयन शुल्क पहले देनी पड़ती है। तथा 100 रू0 जब कुम्भकार घर पहुंचाते है तब भुगतान करना पड़ता है।

लोगों के द्वारा पंजीयन शुल्क कार्यकर्त्ता को दिया जाता है जो कि कार्यकर्त्ता कुम्भकार को दे आते है उसमें लाभूक का नियमानुसार ब्योरा रहता है।

नाम– पिता का नाम : पूरा पता– राशि सी प्रक्रिया से कुम्भकार मटका फिल्टर लेकर लाभूकों के पास पहुंचते हैं। साथ में कार्यकर्ता भी जाते है। कार्यकर्त्ता के द्वारा उसका सेटिंग कर दिया जाता है। तथा सफाई करने की प्रक्रिया बताई जाती है यह भी निर्देश दिया जाता है कि सप्ताह में एक बार नियमित रूप से इसकी सफाई करें।

मटका फिल्टर की मांग अधिक है उसके अनुपात में पूर्ति नहीं हो पाती हैं क्योंकि एक ही व्यक्ति बनाते है। बरसात के मौसम के कारण कम ही बना है। फिल्हाल पुनः गतिशील हुआ है। मांग के अनुरूप पूर्ति का प्रयास हो रहा है।

मटका फिल्टर की मांग कार्यक्षेत्र के बाहर के पंचायत में भी हो रही है। उ0 में मुरादपुर, दक्षिण मैना पंचायत तथा पूरब बनगांव पंचायत में ही लगा है। इतना ही नहीं सहरसा शहर में 8 मटका फिल्टर एवं 2 मटका फिल्टर डॉक्टर के यहाँ लगाया गया है।

मटका फिल्टर की बढ़ती मांग को देखकर पूर्ति हेतु हरसंभव प्रयास हो रहा है। अब मौसम तथा परिस्थिति दोनों अनुकूल बना है इसे वृहत पैमाने पर निर्माण की व्यवस्था हो रही है। गरमी के मौसम में मटका

फिल्टर का पानी फ्रीज जैसा ठंडा होता है। औद्योगिक दृष्टिकोण से इसे बड़े पैमाने पर विकसित करने के लिये सदन के प्रांगण में उत्पादन केन्द्र बनाने की योजना है।

मटका फिल्टर के प्रचार प्रसार से स्थानीय कुम्भकार को रोजगार मिला, आम आवाम को आइरन मुक्त पानी उपलब्ध कराने के लिये अभियान सतत् प्रयत्नशील है।